लोकमत समाचार

विश्व पुस्तक दिवस विशेष ● ऑनलाइन से अधिक पुस्तक पढ़ना युवाओं को है पसंद

आईटी के युग में भी पुस्तकों का बरकरार है क्रेज

नागपुर। 22 अप्रैल। लोस सेवा

सूचना व प्रौद्योगिकी (आईटी) के विकास के बावजूद भी युवाओं में पुस्तकों को पढ़ने का क्रेज कम नहीं हुआ है. भले ही उनके हाथों में मोबाइल है, एक क्लिक पर दुनिया भर की जानकारी मिल जाती है, लेकिन जब बात सर्वांगीण ज्ञान व अध्ययन की हो तो युवा वर्ग पुस्तक पढ़ना ही पसंद करते हैं. यही वजह है कि स्कूल से लेकर कॉलेज व विश्वविद्यालयों के ग्रंथालयों में नई व पुरानी दोनों ही पुस्तकों की मांग में कमी नहीं आई है.

बात चाहे पाठ्यक्रम की पुस्तकों की हो या फिर अन्य विषयों पर लिखी जाने वाली पुस्तकों की, दोनों ही युवाओं की पसंद बनी हुई है.

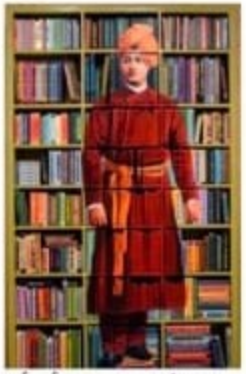

आईआईएम नागपुर का ग्रंथालय.

इसीलिए कम नहीं हुई मांग

जानकारों की माने तो कम्प्यूटर, लैपटॉप या मोबाइल पर एक समय सीमा तक आप पुस्तकों का वाचन कर सकते हैं. युवा वर्ग बाजार में पाठ्य पुस्तक उपलब्ध नहीं होने पर ही ई—बुक्स का सहारा लेते हैं. पुस्तकों को ऑनलाइन मंगवाने की सुविधाएं मुहैया होने के बाद ई—बुक्स की बजाय ऑनलाइन पुस्तक मंगवाना पसंद करते हैं. कई पुस्तकें काफी महंगी होती हैं. बात पसंदीदा लेखक व रुचि की हो तो मूल्य कोई मायने नहीं रखता.

विद्यार्थियों के मुताबिक पाठ्य पुस्तकों से उन्हें किसी विषय के अध्ययन में मदद मिलती है, जबकि अन्य पुस्तकों से उन्हें व्यावहारिक जगत की जानकारी मिलती है. युवाओं में पुस्तकों को लेकर बना क्रेज ही है कि आईआईएम नागपुर व विश्वेश्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में अत्याधुनिक ग्रंथालय बनाया गया है.

आईआईएम नागपुर से मिली जानकारी के मुताबिक संस्थान में ई बुक्स व ई जर्नल की सुविधाएं है. इसके अलावा ग्रंथालय में 3045 पुस्तकें हैं. इसके अलावा पाठ्यक्रम के अलावा दूसरे विषयों की भी कई पुस्तकें उपलब्ध कराई गई है.

राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय के ज्ञान स्रोत केंद्र के निदेशक डॉ. विजय खंडाले के मुताबिक विद्यार्थियों में पाठ्यक्रम व अन्य विषय से संबंधित पुस्तकों की मांग कम नहीं हुई है. विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए डिजिटल पुस्तक पढ़ने की सुविधाएं मुहैया कराई गई है. बावजूद इसके अधिकांश विद्यार्थी कम्प्यूटर या फिर मोबाइल फोन पर डिजिटल या ई बुक पढ़ने की बजाय लाइब्रेरी में पहुंचकर किताबें पढ़ना पसंद करते हैं. पुस्तकों को लेकर विद्यार्थियों की मांग में भी किसी तरह की कोई कमी नहीं आई है.